लखीसराय संग्रहालय

चर्चा में क्यों?

6 फरवरी 2025 को बिहार के मुख्यमंत्री ने 35.8 करोड़ की लागत से बने लखीसराय संग्रहालय का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **लखीसराय संग्रहालय के बारे में:**
  - यह बिहार का **दूसरा सबसे बड़ा विश्वस्तरीय संग्रहालय है**। संग्रहालय का भवन काफी सुसज्जित तरीके से बनाया गया है, जिसमें इंडोर थियेटर व आउटडोर थियेटर का भी निर्माण किया गया है।
  - लखीसराय जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खुदाई से प्राप्त **पौराणिक मूर्तियाँ, शिलालेख, मृदभांड, बौद्ध स्तूप और कीमती पत्थर** जिन्हें अशोकधाम मंदिर समेत अन्य स्थानों पर रखा गया था, अब इस संग्रहालय में संरक्षित किया जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - **ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण:** संग्रहालय जिले के प्राचीन इतिहास और संस्कृति का संरक्षण करेगा, जहाँ **पुरातात्विक अवशेषों और** मूर्तियों का अध्ययन **और संरक्षण** किया जाएगा।
  - **पर्यटन को बढ़ावा:** संग्रहालय से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लोग यहाँ के इतिहास और संस्कृति को जानेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।
  - **स्थानीय संस्कृति का प्रचार:** संग्रहालय **लखीसराय से सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्त्व** को प्रस्तुत करने सहायता मिल सकती है।
- **घोषणा:** ज्ञातव्य है की लखीसराय के आसपास के क्षेत्र में पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए लखीसराय में संग्रहालय बनाए जाने की **घोषणा वर्ष 2018 में की गई थी।**

लखीसराय जिला

- यह जिला 3 जुलाई 1994 को स्थापित किया गया था। पहले लखीसराय मुंगेर जिले में एक अनुमंडल था।
- जिले के भीतर कुछ महत्वपूर्ण मंदिरों और **धार्मिक स्थलों में अशोकधाम, बरहिया के भगवती मंदिर, श्रृंगी ऋषि, जलप्पा स्थान, अभयनाथ स्थान, अभिपुर पर्वत, अभिपुर के महारानी स्थान, गोविंद बाबा स्थान** (मंडप) रामपुर और दुर्गा स्थान लखिसराई आदि हैं।
- लखीसराय क्रमशः पूर्व, दक्षिण, पश्चिम और उत्तर में **मुंगेर, शेखपुरा, बेगुसराय और पटना** से घिरा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lakhisarai-museum